No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-5

03082

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

एम.एच.डी.-5 : साहित्य सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक खंड से **दो-दो** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** हैं। शेष **एक** प्रश्न का उत्तर **किसी भी खंड** से दिया जा सकता है। सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

खंड - क

1. संस्कृत आचार्यों द्वारा निरूपित काव्य-लक्षणों पर विचार कीजिए। **20**

2. काव्य-सर्जना का मूल हेतु आप किसे मानते हैं और क्यों? **20**

3. अलंकार सिद्धांत की समीक्षा कीजिए। **20**

4. ध्वनि सिद्धांत संबंधी विभिन्न मतों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। **20**

5. साधारणीकरण से आप क्या समझते हैं? साधारणीकरण के विषय में विभिन्न मतों का विवेचन कीजिए। **20**

खंड-ख

6 लोंगिनुस के उदात्त संबंधी विचारों का निरूपण कीजिए। 20

7. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद के आधार पर अनुभूति और अभिव्यक्ति के अंत:संबंधों पर प्रकाश डालिए। 20

8. मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र की प्रमुख अवधारणाओं का उल्लेख कीजिए। 20

9. साहित्य विधाओं के वर्गीकरण का आधार निरूपित करते हुए काव्य की प्रमुख विधाओं का परिचय दीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10x2=20

(क) हिंदी की प्रगतिवादी आलोचना

(ख) रूपवादी समीक्षा पद्धति

(ग) उत्तर आधुनिकतावाद

(घ) वर्ड्सवर्थ और काव्यभाषा

(ङ) औचित्य-सिद्धांत